# प्रवास प्रतिवेदन

**विषय—NAFCC परियोजनांतर्गत पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के प्रचार प्रसार हेतु चलित परंपरागत स्वास्थ्य उपचार कैंप के आयोजन के संबंध में।**

**संदर्भ— कार्यालयीन पत्र क्र./CCC/37/2019/293 रायपुर दि.15/02/2019**

NAFCC परियोजनांतर्गत स्वास्थ्य उपचार कैंप के द्वितीय चरण के कार्यक्रम का आयोजन वनमण्डल धमतरी, अंतर्गत आने वाले परियोजना ग्रामों में कराया गया, जिसमें पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के उपचार कार्यो से जुड़े वैद्यों की सहायता से चलित परंपरागत स्वास्थ्य कैम्प का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है।

| क्र. | वनमण्डल का नाम | दिनांक एवं समय | स्थल | वैद्य का नाम | अध्येता का नाम एवं पदनाम |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | वनमण्डल धमतरी | 20/02/19 दोपहर 12 बजे से 4 बजे तक | दिनकरपुर | 1.श्री खेमराज सेन (7587416377), दिनकरपुर<br>2.श्री तीजुराम साहू (8878711716), सांकरा | श्री राकेश कुमार श्रीवास, जे. आर. एफ. एवं<br>श्री देवेन्द्र शर्मा, फील्ड इंस्पेक्टर, सीजीसर्ट |
| 2 | | 21/02/19 प्रात:8 बजे से 11 बजे तक | भोभला बहरा | 1.श्री दशरथ नेताम (9669328714)<br>2. यशवंत नेताम | |
| 3 | | 21/02/19 दोपहर 01 बजे से 4 बजे तक | मुनईकेरा | 3.श्री जीवराखन (7694893410) | |

## पूर्व तैयारी :—

NAFCC परियोजनांतर्गत पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के प्रचार प्रसार हेतु संबंधित वनमण्डलों में चलित परंपरागत स्वास्थ्य उपचार कैंप का आयोजन कराने हेतु संबंधित वनमण्डलाधिकारी को पत्र क्र./CCC/37/2019/293 दिनांक 15/02/2019 को पत्र जारी कर वनमण्डल धमतरी, महासमुंद एवं बलौदाबाजार में पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति में दक्ष वैद्य का चयन कर उपरोक्त दिनांकों को संबंधित वनमण्डल में शासकीय वाहन क्रमांक सी. जी. — 02

एफ 0263 (कैम्पर) के माध्यम से परियोजना ग्रामों में जाकर पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के प्रचार प्रसार के लिए दिनांक 20/02/2019 को प्रस्थान किया गया।

**वनमण्डल धमतरी क्षेत्र में स्वास्थ्य कैम्प :–**

पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के प्रचार प्रसार हेतु संबंधित वनमण्डलों में चलित परंपरागत स्वास्थ्य उपचार कैंप का आयोजन हेतु दिनांक 20–21 फरवरी 2019 को राज्य वन अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान से वन परिक्षेत्र दुगली, धमतरी के प्रवास हेतु निकले। वहां पहुंच कर कार्ययोजना तथा वैद्यराज के सूची बनाकर कैम्प हेतु समस्त ग्रामवासियों को कोटवार के माध्यम से ग्राम दिनकरपुर, भोभलाबहरा एवं मुनाईकेरा में कार्यक्रम के आयोजन से पूर्व सूचना दी गई।

दिनांक 20/02/2019 एवं 21/02/2019 स्वास्थ्य उपचार कैंप का आयोजन श्री ईश्वरी लाल मरकाम, उपवन क्षेत्रपाल, श्री रवि कंचन, वनरक्षक, श्री कामंता प्रसाद, वन रक्षक की उपस्थिति में कार्यक्रम का आयोजन ग्राम दिनकरपुर भोभलाबहरा एवं मुनाईकेरा में किया गया। परंपरागत स्वास्थ्य उपचार कैंप में दक्ष वैद्यराज :–1. श्री तीजूराम साहू 2. श्री खेमराज सेन 3. श्री यशवंत नेताम 4.श्री रमेश कुमार श्रीमाली 5. श्री जीवराखन मरकाम 6. श्री अजीत कोमरे 7. श्री भानुराम मंडावी आदि उपस्थित थे। इन्होने ग्रामीणों को पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति पर महत्वपूर्ण जड़ी–बूटी ज्ञान आधारित पांरपरिक उपचार कैंप के संबंध में जानकारी दी। पांरपरिक उपचार कैम्प का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। पारंपरिक स्वास्थ्य पद्धति के उपचार कार्यो से जुड़े वैद्यों की सहायता से चलित परंपरागत स्वास्थ्य कैम्प का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया है। अंत में श्री बी. आर. साहु वनपाल की उपस्थिति में कार्यक्रम समाप्ती की घोषणा की गयी।

**अवलोकनः**– परंपरागत स्वास्थ्य उपचार कैंप में कुल 72 प्रतिभागियों ने पांरपरिक उपचार पद्धति द्वारा परामर्श प्राप्त किया ।

साथ ही उक्त कार्य के अलावा मेरे द्वारा NAFCC परियोजनांतर्गत् वनमण्डल धमतरी के वनपरिक्षेत्र दुगली के वनकक्ष क्र.244 में किये जा रहे कार्यो का उपवन क्षेत्रपाल श्री ईश्वरी मरकाम वन रक्षक, श्री कामंता प्रसाद, वन रक्षक श्री रविकंचन के साथ कार्य क्षेत्र का भी स्थल निरीक्षण एवं भ्रमण किया गया। जिसकी जानकारी निम्नानुसार हैः–

1. क्षेत्र निरीक्षण भ्रमण के दौरान यह पाया की वनमण्डल धमतरी के वन परिक्षेत्र दुगली अंतर्गत वन कक्ष क्र. 244 में किए जा रहे कार्य मुख्यतः

- तिखुर पौधों का रोपण कार्य
- मूल्यवान प्रजाति के पौधों का अंगीकरण कार्य

2. तिखुर पौधों के रोपण कार्य, 10 हेक्ट. क्षेत्र में रोपण हेतु पिट निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया गया है। जिसमें कुल पिट की संख्या 44,444 नग बताया गया हैं।
3. निरीक्षण के दौरान यह जानकारी दी गयी है की बोवाई हेतु 01 क्विंटल तिखुर बीज (राइजोम) का संग्रहण कार्य किया जा चुका है। जिसे आगामी जुलाई माह मे रोपण हेतु उपयोग किया जावेगा। निरीक्षण के दौरान क्षेत्र एवं भंण्डरित बीज का फोटोग्राफ लिया गया।
4. निरीक्षण के दौरान यह पाया गया कि मूल्यवांन प्रजाति के पौधों का अंगीकरण कार्य 01 माह पूर्व (दिसम्बर माह) ही पूर्ण कर लिया गया है।
5. यह कार्य मुख्य रुप से साल, साजा, बीजा, हल्दु, मुण्डी, भिर्रा एवं शिशम आदि पौधों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए किया गया है।
6. निरीक्षण के दौराम श्री मरकाम द्वारा बतलाया गया कि मूल्यवान प्रजाति के पौधों का अंगीकरण कार्य प्राकृतिक रुप से बीज अंकुरित पौध के अंगीकरण का कार्य पौध के चारों ओर ढलान की तरफ मिट्टी के बंड बनाया गया है। ताकि पौधे की पास की मृदा पानी से न बहे एवं पौध को बढनें में सहायता मिले।
7. यह कार्य कक्ष क्र. 244 में 250 हेक्ट. क्षेत्र में किया गया है आदि जानकारी दी गयी। निरीक्षण के दौरान कार्य क्षेत्र का फोटोग्राफ लिया गया।